कृषि और खाद्य सुरक्षा पर आपदाओं का प्रभाव: FAO

प्रिलिम्स के लिये:

कृषि और खाद्य सुरक्षा पर आपदाओं का प्रभाव, खाद्य एवं कृषि संगठन, अत्यधिक आपदा, जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, रेनफेड फार्मिंग।

मेन्स के लिये:

कृषि और खाद्य सुरक्षा पर आपदाओं का प्रभाव, गरीबी एवं विकास संबंधी मुद्दे, गरीबी व भूख से संबंधित मुद्दे।

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) ने **'कृषि और खाद्य सुरक्षा पर आपदा का प्रभाव'** शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें कहा गया है कि पिछले 50 वर्षों में **अत्यधिक आपदा घटनाओं की आवृत्ति में तीव्र वृद्धि हुई है**।

- रिपोर्ट में पिछले तीन दशकों में कृषि उत्पादन पर आपदाओं के कारण हुए नुकसान का अनुमान लगाया गया है और **फसलों, पशुधन, वानिकी, मत्स्य पालन तथा जलीय कृषि** उपक्षेत्रों को प्रभावित करने वाले विविध खतरों एवं प्रभावों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- इसमें जलवायु परिवर्तन, महामारी, प्रकोप और सशस्त्र संघर्ष जैसे अंतर्निहित जोखिमों की जटिल परस्पर क्रिया का विश्लेषण किया गया तथा आकलन किया गया कि वे बड़े पैमाने पर कृषि एवं कृषि खाद्य प्रणालियों में आपदा जोखिम कैसे उत्पन्न करते हैं।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु:

- **कुल कृषि हानि:**
  - पिछले 30 वर्षों में **आपदा की घटनाओं के कारण** अनुमानित 3.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य की फसलें और पशुधन नष्ट हुआ।
  - इसका अर्थ है कि औसतन 123 बिलियन अमेरिकी डॉलर का वार्षिक नुकसान, जो वैश्विक कृषि सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का लगभग 5% है।
    - **प्राकृतिक संसाधनों** और जलवायु परिस्थितियों पर इसकी **गहन निर्भरता** को देखते हुए, आपदा जोखिम के संदर्भ में कृषि **सबसे अधिक जोखिम वाले और संवेदनशील क्षेत्रों** में से एक है।
    - बार-बार आने वाली आपदाओं से कृषि खाद्य प्रणालियों की **स्थिरता** और **खाद्य सुरक्षा में हुई प्रगति** खतरे में पड़ सकती है।
- **विभिन्न देशों पर प्रभाव:**
  - आपदाओं का **निम्न और निम्न मध्यम आय वाले देशों पर सबसे अधिक सापेक्ष प्रभाव** पड़ता है, वहाँ कुल कृषि सकल घरेलू उत्पाद का 15% तक नुकसान हो सकता है।
  - छोटे विकासशील द्वीपीय देशों(SIDS) को भी **बड़ी आर्थिक हानि** का सामना करना पड़ता है, जो उनके कृषि सकल घरेलू उत्पाद का **लगभग 7% तक होता है।**
- **उत्पाद समूहों को हानि:**
  - **प्रमुख कृषि उत्पादों** से संबंधित घाटे में बढ़ोतरी हो रही है।
  - आपदाओं के समय अनाज **सबसे अधिक प्रभावित** होता है, इसके बाद **फल और सब्ज़ियाँ** तथा चीनी से निर्मित उत्पाद आते हैं, जिनमें हर साल औसतन लाखों टन की हानि होती है।
  - मांस, डेयरी उत्पाद और अंडो के व्यापार में भी इससे काफी हानि पहुँचती है।
- **क्षेत्रीय अंतर:**
  - कुल वैश्विक आर्थिक नुकसान का सबसे बड़ा भाग एशिया को अनुभव होता है, उसके बाद **अफ्रीका, यूरोप** और अमेरिका का स्थान आता है।
  - हालाँकि एशिया में ये नुकसान अफ्रीका की तुलना में कृषि वर्धित मूल्य का एक छोटा प्रतिशत है।

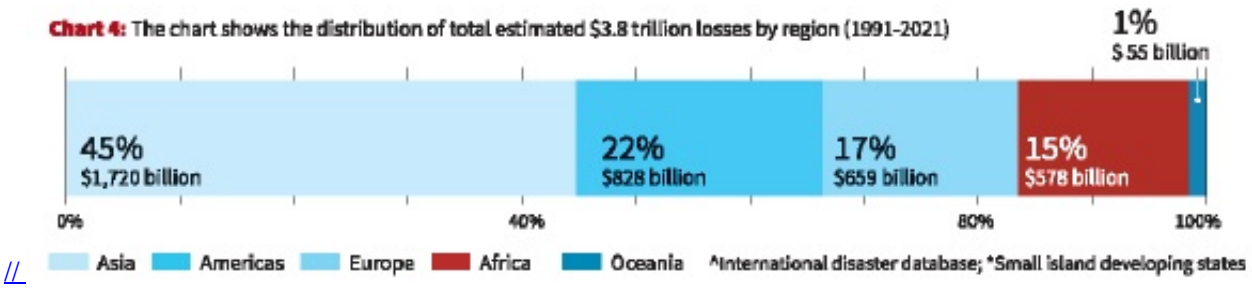

//

- **आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति:**
  - आपदा की घटनाओं में वृद्धि हो रही है, जो **1970 के दशक में 100 प्रति वर्ष** से बढ़कर पिछले दो दशकों में दुनिया भर में प्रति वर्ष लगभग **400 घटनाएँ** हो गई हैं।
  - जलवायु-प्रेरित आपदाओं के कारण अपेक्षित बदतर प्रभावों के साथ ये घटनाएँ अधिक लगातार, तीव्र और जटिल होती जा रही हैं।

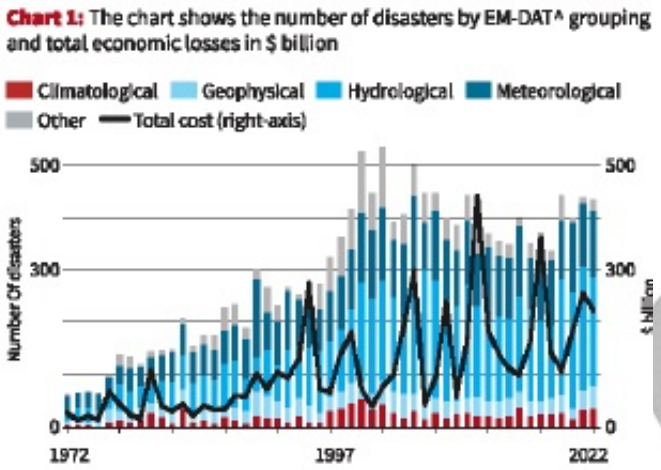

- **संवेदनशील समूहों पर प्रभाव:**
  - छोटे स्तर के किसान, विशेष रूप से [वर्षा-आधारित कृषि](#) करने वाले, आपदा प्रभावों के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं।
  - कृषि-स्तरीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रथाओं को अपनाने से हानि को कम करने और लचीलापन बढ़ाने में सहायता मिल सकती है।
  - कृषि-स्तरीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण की आधुनिक व्यवस्थित प्रथाओं में निवेश पूर्व लागू प्रथाओं की तुलना में औसतन **2.2 गुना बेहतर प्रदर्शन कर सकता है**।

सिफारिशें:

- पूर्वानुमानित खतरों के जवाब में अग्रिम कार्रवाई जैसे सक्रियता और समय पर प्रबंधन, कृषि में आपदा जोखिमों को कम कर सकते हैं।
- प्रत्याशित कार्रवाई में निवेश किये गए प्रत्येक 1 अमेरिकी डॉलर के लिये ग्रामीण परिवार 7 अमेरिकी डॉलर तक का लाभ प्राप्त कर सकते हैं और कृषि घाटे से बच सकते हैं।
- रिपोर्ट कृषि पर **आपदाओं के प्रभाव को संबोधित करने के लिये तीन प्रमुख प्राथमिकताओं** को रेखांकित करती है:
  - आपदा प्रभावों पर डेटा और जानकारी में सुधार करना, बहु-क्षेत्रीय तथा बहु-जोखिम आपदा जोखिम न्यूनीकरण दृष्टिकोण विकसित करना तथा कृषि में आपदा जोखिम को कम करने व आजीविका में सुधार करने हेतु लचीले तंत्र की स्थापना में निवेश बढ़ाना।

खाद्य एवं कृषि संगठन:

- **परिचय:**
  - खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र संघ के तहत की गई थी, यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है।
    - प्रत्येक वर्ष विश्व में **16 अक्तूबर को** [विश्व खाद्य दिवस](#) मनाया जाता है। यह दिवस FAO के स्थापना दिवस की याद में मनाया जाता है।
  - यह **रोम (इटली) में स्थित संयुक्त राष्ट्र खाद्य सहायता** संगठनों में से एक है। इसकी सहयोगी संस्थाएँ [**विश्व खाद्य कार्यक्रम**](#) और अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष (IFAD) हैं।
- **FAO की पहलें:**
  - **विश्व स्तरीय महत्त्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली (GIAHS)।**
  - विश्व में [**मरुस्थलीय टिड्डियों**](#) की स्थिति पर नज़र रखना।
  - FAO और WHO के खाद्य मानक कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के मामलों के संबंध में [**कोडेक्स एलेमेंटरिस आयोग (CAC)**](#) उत्तरदायी

निकाय है।
    - खाद्य और कृषि के लिये [प्लांट जेनेटिक रिसोर्सेज़ पर अंतरराष्ट्रीय संधि]() को वर्ष 2001 में FAO के 31वें सत्र में अपनाया गया था।
- **प्रमुख प्रकाशन:**
    - द स्टेट ऑफ वर्ल्ड फिशरीज़ एंड एक्वाकल्चर (SOFIA)
    - द स्टेट ऑफ वर्ल्ड्स फॉरेस्ट्स (SOFO)
    - [विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (SOFI)]()
    - द स्टेट ऑफ फूड एंड एग्रीकल्चर (SOFA)
    - द स्टेट ऑफ एग्रीकल्चरल कमोडिटी मार्केट्स (SOFO)

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. FAO पारंपरिक कृषि प्रणालियों को 'सार्वभौमिक रूप से महत्त्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली (Globally Important Agricultural Heritage Systems- GIAHS)' की हैसियत प्रदान करता है। इस पहल का संपूर्ण लक्ष्य क्या है? (2016)

1. अभिनिर्धारित GIAHS के स्थानीय समुदायों को आधुनिक प्रौद्योगिकी, आधुनिक कृषि प्रणाली का प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता प्रदान करना जिससे उनकी कृषि उत्पादकता अत्यधिक बढ़ जाए।
2. पारितंत्र-अनुकूली परंपरागत कृषि पद्धतियाँ और उनसे संबंधित परिदृश्य (लैंडस्केप), कृषि जैवविविधता तथा स्थानीय समुदायों के ज्ञानतंत्र का अभिनिर्धारण एवं संरक्षण करना।
3. इस प्रकार अभिनिर्धारित GIAHS के सभी भिन्न-भिन्न कृषि उत्पादों को भौगोलिक सूचक (जिओग्राफिकल इंडिकेशन) की हैसियत प्रदान करना।

निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/impact-of-disasters-on-agricultur-and-food-security-fao